गद्यांश 1

किसी जंगल में बरगद के पेड़ के नीचे घनी झाड़ियों के बीच एक तीतर अपने छोटे से बिलनुमा घोंसले में रहता था। वह अपने आस-पास के पक्षियों के साथ मिल-जुलकर रहता था। उधर क्वार बीतते-बीतते धान की बालियाँ पककर सुनहरी हो चली थीं। इनमें से निकलने वाला चावल तीतर का प्रिय भोजन था। एक दिन तीतर धान के खेत में गया। पके धान को देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। उसने स्वादिष्ट चावल खाए और वहीं खेत में फसल के बीच सो गया। तीतर को बड़ा आनंद आया। इस तरह जब वह दस दिन बाद अपने घोंसलेनुमा बिल की ओर आया, तो उसमें खरगोश को सोते पाया। उसने खरगोश को भगाना चाहा पर खरगोश न गया। अंत में उसने पंचायत बुलाई और बंदर को सरपंच बनाकर सारी बात सुनाई। सारी बात जानकर बंदर ने दूध-का-दूध और पानी-का-पानी कर दिया और तीतर को उसका घर दिलाया।

1 तीतर का घोंसला कहाँ पर था?

_____

2 तीतर धान के खेत में क्यों गया?

_____

3 तीतर को उसका घर वापस कैसे मिला?

_____

4 पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) जंगल _____

(ख) भोजन _____

5 प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए।

(क) दिन + इक _____

(ख) आनंद + इत _____